बर्षः- 06
अंकः- 29
मुरादाबाद
(Wednesday)
20 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता, भारत-नॉर्वे संबंध ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक पहुंचे

प्रधानमंत्री मोदी के नॉर्वे दौरे पर भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। दरअसल भारत और नॉर्वे अपने द्विपक्षीय संबंधों को ग्रीन रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं। आइए जानते हैं कि इसका क्या मतलब है और इससे दोनों देशों को क्या फायदा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नॉर्वे दौरे पर हैं और उनके इस दौरे पर भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नॉर्वे दौरा भारत-नॉर्वे संबंधों में एक अहम मील का पत्थर

साबित हुआ है। दोनों देशों ने आपसी रिश्तों को %ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप% के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई है।ग्रीन रणनीतिक साझेदार बने भारत और नॉर्वे- ओस्लो में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रमों के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने कहा कि यह नई साझेदारी जलवायु कार्रवाई, नवीकरणीय ऊर्जा, मजबूत सप्लाई चेन, हरित प्रौद्योगिकी और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक दिशा देगी। उन्होंने कहा, %यह दौरा भारत-नॉर्वे संबंधों के लिए एक विशेष उपलब्धि वाला रहा। दोनों देशों के नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक पहुंचाने का फैसला किया है, जिससे जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी में सहयोग को नई मजबूती मिलेगी।%नॉर्वे के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से पीएम मोदी को किया गया सम्मानित- सिबी जॉर्ज ने बताया कि इस दौरे की एक और बड़ी उपलब्धि के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल %ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट% से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत-नॉर्वे संबंधों और मानवता के हित में प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है।प्रधानमंत्री मोदी ने इसके लिए आभार व्यक्त करते हुए इसे भारत की जनता और भारत-नॉर्वे की स्थायी मित्रता को समर्पित किया। समुद्री सहयोग का उल्लेख करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव में शामिल होने के नॉर्वे के फैसले का स्वागत किया है।

दोनों देशों ने जहाज निर्माण, ग्रीन शिपिंग, पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, मछली पालन, समुद्री प्रशिक्षण और बंदरगाहों के हरित विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने नॉर्वे के सर्वोच्च नागरिक सम्मान को भारत की जनता को समर्पित किया इससे पहले सोमवार को नॉर्वे के राजा हेराल्ड पंचम ने प्रधानमंत्री मोदी को %ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट% सम्मान प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के दौरान मिला यह उनका 32वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को भारत की जनता को समर्पित करते हुए इसे भारत-नॉर्वे मित्रता का प्रतीक बताया।

बंगाल में तेज हुई सियासतः ममता बनर्जी ने बुलाई नवनिर्वाचित TMC विधायकों की बैठक, विपक्षी रणनीति पर होगी चर्चा

ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में बदले राजनीतिक हालात के बीच टीएमसी के नवनिर्वाचित विधायकों की अहम बैठक बुलाई है। बैठक में विपक्ष की रणनीति और नगर निकायों में प्रशासनिक चुनौतियों पर अहम चर्चा होने की संभावना है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को अपने 80 नवनिर्वाचित विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अब टीएमसी राज्य में मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है। इस बैठक में पार्टी के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी भी मौजूद रहेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य की नई राजनीतिक परिस्थितियों में विपक्ष की रणनीति तैयार करना है।पार्टी के सूत्रों के अनुसार, बैठक में एक बड़ा मुद्दा नगर निकायों के कामकाज को लेकर होगा। राज्य के कई नगर निकायों पर अभी भी टीएमसी का कब्जा है, लेकिन बदली हुई सत्ता के कारण वहां के अधिकारियों के व्यवहार में बदलाव आया है। पार्टी इस प्रशासनिक असहयोग से निपटने के तरीकों पर चर्चा करेगी।यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब कोलकाता नगर निगम (चस्ब्ष्ट) ने अभिषेक बनर्जी की 17 संपत्तियों को नोटिस जारी किया है। ये नोटिस कथित अवैध निर्माण के मामले में दिए गए हैं। केएमसी अधिनियम की धारा 400(1) के तहत जारी इन नोटिसों में संपत्ति मालिकों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया है। इन संपत्तियों की दीवारों पर नोटिस की प्रतियां भी चिपका दी गई हैं।सीएम अधिकारी ने दिया था संकेत- वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पिछले हफ्ते ही इन संपत्तियों की जांच के संकेत दिए थे। उन्होंने अभिषेक बनर्जी का नाम लिए बिना उन्हें मिस्टर नेफ्यू (श्रीमान भतीजे) कहा था। अधिकारी ने दावा किया था कि उनके पास एक कंपनी से जुड़ी 24 संपत्तियों की सूची है। सोमवार को साफ कर दिया कि उनकी सरकार पिछली टीएमसी सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार और जनता के पैसे की लूट के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगी। बनाए जाएंगे दो नए आयोग- मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भ्रष्टाचार और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जांच के लिए दो अलग-अलग जांच आयोग बनाने की घोषणा भी की है। इन दोनों आयोगों के अध्यक्ष कलकत्ता हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज होंगे। संस्थागत भ्रष्टाचार की जांच जस्टिस बिस्वजीत बसु (रिटायर्ड) करेंगे। वहीं, महिलाओं के खिलाफ अपराध की जांच जस्टिस समाप्ति चटर्जी (रिटायर्ड) के नेतृत्व में होगी। ये दोनों आयोग जून महीने से अपना काम शुरू कर देंगे।

संक्षिप्त समाचार

जस्टिस यशवंत वर्मा केसः जांच कमेटी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी रिपोर्ट, संसद सत्र में होगी पेश

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ जांच कर रही कमेटी ने लोकसभा अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। यह मामला उनके सरकारी आवास से जली नकदी मिलने से जुड़ा है। रिपोर्ट मानसून सत्र में संसद के दोनों सदनों में पेश की जा सकती है।जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर रही कमेटी ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। यह रिपोर्ट सोमवार को पेश की गई। लोकसभा सचिवालय ने बताया कि इस रिपोर्ट को जल्द ही संसद के दोनों सदनों के सामने रखा जाएगा। उम्मीद है कि जुलाई के तीसरे हफ्ते में शुरू होने वाले मानसून सत्र में इसे पेश किया जा सकता है।यह पूरा मामला 14 मार्च 2025 की रात का है। उस समय जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर आग लगने की घटना के दौरान, आग बुझाने पहुंचे कर्मचारियों को वहां एक स्टोर रूम में भारी मात्रा में जली हुई नकदी मिली थी। उस समय वह दिल्ली हाई कोर्ट में जज थे। बाद में उन्हें उनके मूल हाई कोर्ट, यानी इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया था।

इस कमेटी ने अपनी जांच में पाया कि जिस स्टोर रूम में पैसा छिपाया गया था, उस पर जस्टिस वर्मा का मौन नियंत्रण था। इसके बाद जुलाई 2025 में 200 से ज्यादा सांसदों ने उन्हें पद से हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए।

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने पर खरगे का केंद्र पर हमला, नीतिगत विफलता और जनता पर बोझ का आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पेट्रोल-डीजल कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नीतिगत विफलताओं का बोझ जनता पर डाल रही है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नवीनतम वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नीतिगत विफलताओं को छिपाने की कोशिश करते हुए आम नागरिकों पर बोझ डाल रही है। उनकी यह टिप्पणी राज्य-संचालित तेल विपणन कंपनियों द्वारा एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने के बाद आई है। यह वृद्धि वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच हुई है।खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पिछली मूल्य वृद्धि को मुश्किल से चार दिन हुए हैं, और मोदी सरकार ने एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं का बोझ जनता पर डालने की प्रक्रिया में पूरी तरह से जुटी है। कांग्रेस नेता ने भारत के तेल आयात और विदेश नीति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी को रूसी तेल खरीदने की अनुमति के लिए अमेरिका से एक महीने का विस्तार मांगने के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा है। खरगे ने कहा कि ऐसा बार-बार करके वे 1.4 अरब भारतीयों के आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं, और किसी भी पिछली सरकार ने ऐसे उपाय नहीं किए थे। उन्होंने ईंधन मूल्य वृद्धि के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया और पूछा कि यदि सरकार को ऐसा करने की अनुमति मिली है, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों का बोझ अभी भी आम लोगों पर क्यों डाला जा रहा है। खरगे ने भाजपा सरकार पर आर्थिक स्थिति को संभालने में दूरदर्शिता और नेतृत्व की कमी का भी आरोप लगाया।नीतिगत विफलता का बोझ जनता पर डाला जा रहा मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी टिप्पणी में सरकार की आर्थिक नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले बड़े-बड़े बयान दिए और मितव्ययिता का उपदेश दिया। लेकिन अब अपनी विफलताओं का बोझ जनता पर डाल रही है। खरगे ने जोर देकर कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम नागरिकों को परेशान कर रही है। विदेश में प्रचार करने से कोई विश्व गुरु नहीं बनता- खरगे- कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर भी तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, 'मोदी, जो खुद को विश्व गुरु होने का झूठा दावा करते हैं, उन्हें रूसी तेल खरीदने की अनुमति के लिए अमेरिका से एक महीने का विस्तार मांगने के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा है।' खरगे ने आरोप लगाया कि यह कदम 1.4 अरब भारतीयों के आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि केवल विदेश में प्रायोजित प्रचार अभियान चलाने से कोई विश्व गुरु नहीं बन जाता। खरगे ने मोदी से जनता के प्रति जवाबदेही दिखाने का आग्रह किया। वास्तविक सवालों से दूरी का लगाया आरोप- खरगे ने भाजपा सरकार पर दूरदर्शिता और नेतृत्व की गंभीर कमी का आरोप दोहराया। उन्होंने कहा कि जब संकट आया, तो सरकार चुनावों में व्यस्त रही और मीठी-मीठी बातें करते हुए जनता को लूटने की योजना बनाती रही। खरगे ने कहा कि जनता आप आम कैसे खाते हैं या कौन सा टॉनिक पीते हैं जैसी तुच्छ बातों में दिलचस्पी नहीं रखती। उन्होंने प्रधानमंत्री से वास्तविक सवालों से न भागने और संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत रूप से क्या कर रहे हैं, इसका जवाब देने को कहा।

राहुल गांधी बोले- आर्थिक शॉक आ रहा, जो अदाणी, अंबानी और प्रधानमंत्री को नहीं लगेगा;आप पर ही इसका बोझ आएगा

सांसद राहुल गांधी कुछ ही देर में अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचेंगे। उनके आगमन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है वह अदाणी, अंबानी या प्रधानमंत्री मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने के बजाय प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर कांट रहे हैं।राहुल ने कहा, पेट्रोल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। महंगाई आसमान के ऊपर जा रही है। वह कहते हैं कि राहुल को कोई समझ नहीं है।राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। यहां उन्होंने पर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो आर्थिक ढांचे बदला है, उससे तूफान आने वाला है। यूपी की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है।वह अदाणी, अंबानी या प्रधानमंत्री मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने के बजाय प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर कांट रहे हैं।महंगाई पर

सरकार को घेरा- राहुल ने कहा, पेट्रोल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। महंगाई आसमान के ऊपर जा रही है। वह कहते हैं कि राहुल को कोई समझ नहीं है। हम उनसे आज भी कह रहे हैं कि आप एक्शन लीजिए, जनता की रक्षा कीजिए। लेकिन, उनको कुछ लेना देना नहीं है। कभी हवाई जहाज से नॉर्वे चले जाते हैं, कभी जापानी चले जाते हैं, कभी कहीं और चले जाते हैं। राहुल का पीएम पर तंज- राहुल ने कहा, नरेंद्र मोदी कहते है कि सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदो, विदेश मत जाओ। इतना कहने के बाद नरेंद्र मोदी विदेश चले जाते हैं। दुख की बात है कि अब जबरदस्त आर्थिक तूफान आने वाला है, जिसको कोई रोक नहीं सकता। ऐसा आर्थिक तूफान आने वाला है, जो आपने हमने कभी जिंदगी में नहीं देखा होगा। इसकी चोट किसको लगेगी। अंबानी-अदाणी अपने महलों में बैठे रहेंगे। उनके महलों में चारों ओर सिक्योरिटी होगी। हिंदुस्तान के मजदूर, युवाओं, छोटे व्यापारियों को चोट लगेगी। यूपी की जनता को आर्थिक शॉक लगेगा- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आर्थिक संकट पर कहा- उत्तर प्रदेश की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है वह अदाणी, अंबानी या प्रधानमंत्री मोदी को नहीं लगेगा। वह उत्तर प्रदेश के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी कह रहे हैं विदेश यात्रा पर नहीं जाइए, जबकी प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर कांट रहे हैं।

संपादकीय Editorial

Elections, come again!

In the hopes of municipal elections, politics has revealed that the definition of development will change in the future under the guise of this journey. The way the vision has shifted from local issues to everyone's behavior will naturally make a difference. With the four municipal corporations, ordinary citizens can understand that politics will have to fine-tune its ambassadors to survive in elections. Sadly, thanks to the success of councilors and mayors, these cities are in a state of confusion, but issues of urban character and accountability have returned. Instead of resolutions, politics has avoided a necessary debate in the monotony of "you-you-me-me" (you-you-me-me) and, at times, it seems that the BJP is cursing the government and the Congress is cursing the government of Delhi. If elections are to be based solely on the animosity that simmers in traditional politics, then we are not understanding the urban system at all. While parties have formulated election lists based on some urban issues, this door has not fully opened for the state. In advocating its vision, the Congress party explained its intention to connect the four cities with its aspirations. It would have been better if the ruling party had used this opportunity to address Himachal's urbanization: what the picture will be in cities across the state in the next decade? What systemic and structural changes would be crucial? A lot of work is possible in local transportation. What will be the new definition of urbanization in terms of water supply and electricity? Undoubtedly, some issues and resolutions have quietly emerged in the municipal elections that are reimagining cities. For example, tourism has loudly declared to the elections, "I am here." The BJP, seeking a "tourism circuit" in Palampur, has roared, while the election saw potential near Mandi's Shivdham and temple circumambulation. Solan's standards still haven't grasped the need to preserve its aura of becoming a metropolis. A major battle between the Congress and BJP manifestos was witnessed in Dharamshala. When promises become mere stains on a white sheet, who would consider their peace of mind? This is because every party and every government within it has turned cities into political hotbeds. If multiple Singh Dwars, driven by political influence, are the hallmarks of a particular constituency, this is merely propaganda. Politicians, driven by their search for symbols and emblems, have failed to grasp the integrity of Himachal. If every city is an economic hub and a platform for employment, then development plans should build on this foundation. Many towns and cities in Himachal embody the essence of tourism, and therefore, their development should be tailored accordingly. Some cities are becoming hubs of education, others centers of sports activities. Some are thriving as a young tourist attraction, while others are renowned for their events. If the stars of a city are determining its temples, then planning should be done in different formats. Will we be able to establish Mandi as a cultural capital after the elections? Will Palampur, with its surroundings and the balance of tea gardens, create history as a "tourism circuit"? Will Solan be able to share its momentum with the Chandigarh-Shimla route? In this list, promises made to Dharamshala, which boasts the most nicknames, including Mini Lhasa, the winter capital, sports city, event city, and smart city, will be fulfilled. Elections sound good. Leaders seem to be in a good mood, but then urban conditions continue to hold onto their desires until the next election.

Pakistan is not going to improve

Recently, on the one-year anniversary of Operation Sindoor, everyone recalled how India had defeated Pakistan, but we must also remember that Pakistan's character has not changed. This is evident in Pakistani Army Chief Asim Munir's statement that if Pakistan is attacked again, the repercussions will be extensive, dangerous, far-reaching, and painful. We cannot ignore the fact that Pakistan-backed terrorist networks remain active. Its notorious intelligence agency, the ISI, remains engaged in anti-India activities as before, emboldened by US support. It would be unfair to assume that Pakistan is going to improve. The blasts near the Red Fort in Delhi last year and the emergence of a white-collar terrorist module demonstrate that the threat of terrorism persists. In recent times, the NIA and police in various states have arrested several suspected terrorists. These individuals were instrumental in arranging weapons, managing logistics, and executing terrorist plans. Of greatest concern is the changing profile of individuals involved in terrorism. Some of the accused were educated professionals, including doctors and technically skilled individuals. This reflects the growing penetration of white-collar terrorism, where information technology, engineering, and financial capabilities are being used in terrorist activities. Identifying such elements is more difficult because they operate within legitimate institutional structures and maintain a low profile. Modules linked to the Islamic State (IS) are also reported to be active in India. Sleeper cells have emerged that are involved in activities such as recruitment, surveillance, and explosives training. The arrests made in various states also indicate that these are not isolated groups, but part of a broader and interconnected network. Today, terrorism is rapidly changing its nature. It is no longer limited to guns and bombs, but has become more decentralized, technology-based, and evasive. Illicit arms trafficking also remains a serious concern. The seizure of weapons like AK-47s has exposed an organized supply network linked to the border crossings, highlighting the nexus between external support and domestic networks. It is clear that a well-organized system of recruitment, funding, logistics, and execution is in place. This increasingly sophisticated strategy is also evident in the details of the terrorist structure. In March, an ISI-linked espionage plot was uncovered at the Delhi Cantt railway station, in which secretly installed solar-powered CCTV cameras were used to transmit real-time footage of military activities to Pakistani handlers. This demonstrates that surveillance activities are becoming increasingly clandestine and technologically advanced. Such equipment can help map military movements, identify vulnerabilities, and plan future attacks. Since even small incidents can be part of a larger conspiracy, constant vigilance is essential. Another serious concern is the misuse of legitimate business platforms, sometimes seen as corporate jihad. The case involving a Nashik-based BPO has demonstrated how commercial institutions can be used to build networks and provide cover for terrorist activities. This demonstrates that terrorist tactics have now expanded beyond traditional methods. Digital radicalization has also become a rapidly growing threat. Youth are being influenced and recruited through online propaganda, encrypted platforms, and targeted messages. This has made the threat of terrorism more pervasive, invisible, and long-term. Pakistan continues to attempt to disrupt the atmosphere in India by reviving old issues like Khalistan. The explosion near the BJP office in Chandigarh, the blast outside the BSF headquarters in Jalandhar, and the exposure of ISI-backed modules reflect this trend. These activities are also being seen as part of a digital propaganda campaign to deepen social divisions and influence public opinion. India cannot afford any complacency. The success of Operation Sindoor must be supported by a robust and modern internal security infrastructure. Better coordination among various agencies, sharing of real-time intelligence, and the use of advanced technology are essential for timely threat identification. Rapid response mechanisms like Prahaar can ensure immediate action when needed. At the same time, the root causes of radicalization must be effectively addressed. Educating youth about extremism and misinformation can play a crucial role in prevention. Developing a basic understanding of internal security at the school level can make society more vigilant and responsible. Promoting social harmony and inclusive development is equally important, as terrorist organizations often exploit divisions and discontent. This fight against terrorism is not only physical but also ideological, requiring an effective counter-narrative. India's challenge is not just to respond to terrorist attacks, but also to anticipate and thwart them. In this era of hybrid terrorism, where external and internal threats are increasingly intertwined, constant vigilance, preparedness and strategic resilience are the ultimate safeguards.

Bengal's Turn to Get Back on Track

After five decades, political coordination and policy stability in Eastern India have opened up new possibilities for economic growth. Bengal, in particular, has the opportunity to recover from its previous economic decline and get back on track through investment, entrepreneurship, and modern governance. The BJP's rise to power in Eastern India has led to a new coordination. Bengal's GDP share fell from 10.5% to 5.6%. Bengal's revival is driven by investment, entrepreneurship, and modern governance. After more than five decades, Eastern India appears to be at a juncture where political coordination, policy stability, and economic prospects are taking shape simultaneously. For the first time in independent India's history, the BJP is now in power in four major Eastern states—Bihar, West Bengal, Odisha, and Assam—and also holds a government at the center. This is the first time since 1974 that such political coordination is being witnessed in Eastern India. The last time this happened was when the country's political and economic structure was completely different. The significance of this change is not limited to electoral mathematics alone. This signals a strategic opportunity that could prove decisive for Eastern India, which has long lacked desired development despite its potential. The transformation in Bengal is of paramount importance. At the time of independence, Bengal was considered one of India's most prosperous and culturally influential regions.

Kolkata was not just a city, but a national hub of trade, manufacturing, finance, literature, art, and intellectual discourse. Bengal gave the country Nobel laureates, industrialists, thinkers, artists, and social reformers who shaped the course of modern India. However, over time, the state lost its economic vitality. Governments failed to create a conducive environment for industry, investment, and enterprise. Anti-industry thinking, policy uncertainty, labor militancy, and ideological rigidity gradually eroded investor confidence. As a result, industrial decline, capital flight, and a massive talent outflow continued. Bengal's share of India's GDP, which was approximately 10.5 percent in 1960-61, has now declined to approximately 5.6 percent. Per capita income, once well above the national average, has now fallen below it. Since 2011, more than 6,600 companies have either closed or moved out of the state. This situation is tragic, as Bengal has always possessed natural and strategic strengths. Features like fertile agricultural land, a long coastline, major ports, proximity to Southeast Asia, and being the gateway to Northeast India can make any region an economic powerhouse. Bengal is India's key connecting point for Bangladesh, Nepal, Bhutan, and Northeast India, but geographical location alone does not guarantee development. Institutional capacity and policy coordination are equally essential. For a long time, political disunity between the central government and the eastern states prevented the development of a comprehensive development strategy for the region. Projects like logistics corridors, port modernization, industrial zones, and border trade failed to gain the desired momentum due to lack of coordination. Now, this obstacle appears to be largely eliminated. A politically integrated Eastern India now offers the possibility of long-term planning. The East Coast Economic Corridor, Tajpur Port, logistics networks, industrial manufacturing clusters, and deeper integration with the Act East Policy can now enjoy greater policy stability and faster implementation. The economic potential is immense. India-Bangladesh trade volume has exceeded ?1.8 lakh crore annually, but Bengal still reaps limited benefits. Nepal and Bhutan depend on Bengal's transit network, while the entire Northeast relies on this region for maritime connectivity. Kolkata and Haldia remain the major sea gateways to eastern India, and the proposed Tajpur deep-sea port has the potential to transform the economic trajectory of the entire region. However, infrastructure alone cannot revive Bengal. The most pressing need is to restore the confidence of investors, financial institutions, and ordinary citizens. Bengal currently has a public debt burden of approximately ?8 lakh crore. Capital expenditure has often lagged behind welfare spending. Therefore, the challenge is not to eliminate welfare schemes, but to transform them into a base for productivity, entrepreneurship, and participation. Schemes like Lakshmi Bhandar, Kanyashree, and Krishak Bandhu have created a comprehensive social security framework and should continue, but long-term prosperity will not be possible through direct assistance alone. Welfare must expand beyond safety nets to include entrepreneurship, skill development, women-led businesses, MSME development, and agricultural value addition. Bengal's future lies not in subsidy-based politics, but in giving ordinary citizens the opportunity to actively participate in the economy. Modernizing governance is equally essential. Transparent, digital, and timely administrative systems, digitization of land records, direct benefit transfers, and predictable approval mechanisms are now essential.

कर्तव्यनिष्ठा की शपथ लेकर UP पुलिस में शामिल हुए 47 दरोगा, पासिंग आउट परेड में दिखा अनुशासन-उत्साह

मुरादाबाद स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में 12 माह का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 47 दरोगा यूपी पुलिस में शामिल हो गए। इनमें 44 मृतक आश्रित कोटे से नियुक्त हुए हैं। डीजी ट्रेनिंग राजीव सभरवाल ने परेड का निरीक्षण कर सभी को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में पिछले 12 माह से प्रशिक्षण ले रहे 47 प्रशिक्षु दरोगाओं का मंगलवार को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया। भव्य पासिंग आउट परेड के साथ सभी प्रशिक्षुओं ने कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और जनता की सेवा के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बन गए। पासिंग आउट परेड में अनुशासन, उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। परेड में शामिल 47 प्रशिक्षु दरोगाओं में 44 मृतक आश्रित कोटे से नियुक्त हुए हैं, जबकि तीन दरोगा ऐसे रहे जो पिछली यूपी पुलिस दरोगा भर्ती के दौरान किसी कारणवश अपना प्रशिक्षण पूरा नहीं कर सके थे। अब प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी को औपचारिक रूप से पुलिस विभाग में शामिल कर लिया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डीजी ट्रेनिंग राजीव सभरवाल ने परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षु दरोगाओं की टुकड़ियों से सलामी ली और उनके अनुशासन व प्रशिक्षण की सराहना की। इसके बाद उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को शपथ दिलाई। शपथ के दौरान दरोगाओं ने संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए निष्पक्षता और ईमानदारी से ड्यूटी निभाने का संकल्प लिया। डीजी ट्रेनिंग ने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल अधिकार नहीं बल्कि बड़ी जिम्मेदारी भी है। जनता की सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखना और पीड़ितों को न्याय दिलाना पुलिसकर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई अनुशासन और कार्यशैली को सेवा काल में भी बनाए रखना जरूरी है। प्रशिक्षण के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया गया। आउटडोर प्रशिक्षण में अंकित यादव ने टॉप किया, जबकि सर्वोच्च सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान अंकित हरमोहन यादव को मिला।

दोनों को डीजी ट्रेनिंग ने प्रशस्ति चिह्न देकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान प्रशिक्षु दरोगाओं के परिवार के लोग भी मौजूद रहे। अपने बेटों और बेटियों को पुलिस की वर्दी में परेड करते देख परिजनों की आंखों में गर्व और खुशी साफ नजर आई।

परेड समाप्त होने के बाद प्रशिक्षुओं ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ फोटो खिंचवाए और खुशी साझा की। पूरे कार्यक्रम के दौरान अकादमी परिसर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम रहे। पुलिस अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने भी सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर सभी प्रशिक्षु दरोगाओं को शुभकामनाएं दीं।

महिला से लाखों के गहनों की ठगी, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी की फुटेज

थाना सिविल लाइन क्षेत्र की पाश कालोनी आशियाना फेज-दो में शनिवार देर शाम को दो महिला लाखों रुपये के जेवरात की ठगी करने मामला सामने आया है। दो बदमाशों ने सिंचाई विभाग के दिवंगत एसडीओ की पत्नी को झांसे में लेकर उनके हाथों से फरार हो गए। घटना के संबंध में महिला द्वारा दी गई में जुटी है। सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मकान संख्या ए-1/18 निवासी ऋषिपाल सिंह ने थाना में बताया कि उनके स्वर्गीय भाई महिपाल सिंह सिंचाई उनकी भाभी सुनीता सिंह बाजार से फल खरीदकर घर रास्ते अपने घर जा रही थीं। इसी दौरान दो संदिग्ध युवक युवकों ने उन्हें रोक लिया और उन्हें बातचीत में उलझाकर उतरवा लीं।इसके बाद बदमाश उनका मोबाइल फोन फरार हो गए। पर्स में करीब 800 रुपये नकद और घर ग्राम वजन की चार सोने की चूड़ियां और लगभग सात से दस लाख रुपये बताई जा रही है। वारदात के बाद लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो

लाखों रुपये के सोने के गहने, मोबाइल फोन और पर्स ले लिए और तहरीर पर सिविल लाइन पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश मनीष सक्सेना ने रविवार को बताया कि आशियाना फेस-दो स्थित सिविल लाइन पुलिस को ठगी के संबंध में तहरीर दी है। दी गई तहरीर विभाग में एसडीओ पद पर तैनात थे। शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे लौट रही थीं। वह फेस-2 के जेड-1 क्षेत्र से होकर पार्क वाली गली के पैदल उनके पीछे लग गए। जैसे ही महिला सुनसान गली में पहुंचीं, दोनों उनके हाथों में पहनी चार सोने की चूड़ियां और एक सोने की अंगूठी और पर्स भी लेकर उनसे कहा कि आप पीछे मुड़कर मत देखना और की चाबी रखी हुई थी। पीड़ित परिवार के मुताबिक बदमाश करीब 65 ग्राम की सोने की अंगूठी ठग कर ले गए। गहनों की कीमत करीब आठ सुनीता सिंह घबराकर चीखने लगीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची। घबराहट के कारण महिला की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसे स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने संभाला। कुछ देर बाद चौकी प्रभारी आशियाना और थाना प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन मनीष सक्सेना भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि आरोपी पहले से महिला की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे और सुनसान जगह मिलते ही वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता सुनीता सिंह ने पुलिस को बताया कि वह दोनों युवकों को पहचान सकती हैं, क्योंकि घटना से पहले उन्होंने उनसे बातचीत की थी। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

ऋषिकेश में उज्जैन एक्सप्रेस की बोगी पलटी: जांच शुरू, पांच घंटे देरी से चली ट्रेन

ऋषिकेश के योग नगरी रेलवे स्टेशन पर उज्जैन एक्सप्रेस का एक डिब्बा पटरी से उतरकर पलट गया, जिससे दो अन्य डिब्बे भी प्रभावित हुए। हादसा शंटिंग के दौरान हुआ, ट्रेन खाली होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ; मुरादाबाद के एक्सप्रेस का डिब्बा पटरी से पलटा। शंटिंग जुटे, यार्ड साफ हो रहा।मुरादाबाद। ऋषिकेश जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार क्षतिग्रस्त बोगियों को हटाकर 11 बजे ट्रेन सुबह 6.15 बजे चलने का है। लेकिन, इस को भी परेशानी उठानी पड़ी। मौके पर मौजूद का संचालन प्रभावित नहीं हुआ और ट्रेनों उतरकर पलट गया उज्जैन एक्सप्रेस सोमवार से शंटिंग लाइन की ओर लाई जा रही थी।

अधिकारी जांच में जुटे और यार्ड की सफाई जारी है।ऋषिकेश में उज्जैन के दौरान हुआ हादसा, ट्रेन खाली थी। मुरादाबाद के अधिकारी जांच में में उज्जैन एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से पलटने के बाद रेलवे अधिकारियों ने दोपहर 11 से 12 बजे तक यार्ड क्षेत्र पूरी तरह साफ कर दिया जाएगा। चलाने का दावा किया जा रहा है। उज्जैन एक्सप्रेस का समय ऋषिकेश से घटन के कारण ट्रेन ऋषिकेश से समय से नहीं चल सकी। जिससे यात्रियों मंडल के रेल अधिकारियों के अनुसार घटना से किसी भी मुख्य रेल लाइन का संचालन सामान्य बना हुआ है।इंजन के पीछे लगा एक डिब्बा पटरी से रात करीब साढ़े नौ बजे योग नगरी रेलवे स्टेशन के यार्ड में वाशिंग लाइन इसी दौरान डेड लाइन में पहुंचते समय इंजन के पीछे लगा एक डिब्बा पटरी से उतरकर पलट गया। इसके साथ पीछे के दो डिब्बे भी प्रभावित हुए। घटना के समय ट्रेन खाली थी, इसलिए कोई यात्री घायल नहीं हुआ। मुरादाबाद से पहले अधिकारी, दोपहर तक यार्ड होगा साफ- लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर भी सुरक्षित हैं। सूचना मिलते ही मुरादाबाद से अधिकारी देर रात में हरिद्वार पहुंच गए। डीआरएम विनीता श्रीवास्तव, सीनियर डीओएम आदित्य गुप्ता, सीनियर डीसीएम महेश यादव समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना के कारण का पता लगाने में जुटे। महेश यादव ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। तकनीकी टीम को लगाया गया है और यार्ड से डिब्बों को हटाने का काम तेजी से चल रहा है। मुख्य रेल लाइन प्रभावित नहीं हुई है, इसलिए किसी ट्रेन का संचालन बाधित नहीं है।

दिल्ली-कांठ रोड के बीच मात्र 39,600 में प्लॉट- स्ष्ठ लाया नई आवासीय योजना, ऐसे करें अप्लाई

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण ने लंबे समय से लंबित सह्याद्रि आवासीय योजना लॉन्च की है, जिसमें 609 भूखंडों के लिए 18 मई से 17 जून तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। दिल्ली और कांठ रोड के बीच स्थित इस योजना में 50 से 200 वर्ग मीटर के भूखंड ?39,600 प्रति वर्ग मीटर की दर से उपलब्ध हैं।5 साल बाद अब सह्याद्रि आवासीय योजना के लिए मांगे आवेदन एमडीए (मुरादाबाद विकास प्राधिकरण) ने गोविंदपुरम आवासीय योजना के बाद अब लंबे समय से अटकी सह्याद्रि पाकेट-ए आवासीय योजना भी लांच कर दी है। वर्ष 2010-11 से प्रस्तावित यह योजना किसानों के भूमि संबंधी मामलों और अधिग्रहण विवाद के कारण अटकी रही। प्राधिकरण और किसानों के बीच कई प्रकरण लंबित थे, जिनके निस्तारण के बाद अब योजना को अंतिम रूप देकर आम लोगों के लिए भूखंड खरीदने का अवसर मिलने जा एमडीए (मुरादाबाद विकास प्राधिकरण) ने गोविंदपुरम आवासीय योजना के बाद अब लंबे समय से अटकी सह्याद्रि पाकेट-ए आवासीय योजना भी लांच कर दी है। वर्ष 2010-11 से प्रस्तावित यह योजना किसानों के भूमि संबंधी मामलों और अधिग्रहण विवाद के कारण अटकी रही। प्राधिकरण और किसानों के बीच कई प्रकरण लंबित थे, जिनके निस्तारण के बाद अब योजना को अंतिम रूप देकर आम लोगों के लिए भूखंड खरीदने का अवसर मिलने जा रहा है। 18 मई से 17 जून तक आवेदन कर सकेंगे। इसमें 50 से 200 वर्ग मीटर के भूखंड शामिल हैं। सह्याद्रि योजना दिल्ली रोड और कांठ रोड के बीच विकसित की जा रही है। यह सोनपुर फ्लाईओवर से जुड़ते हुए 24 मीटर चौड़ी सड़क के जरिए संपर्क में आएगी। योजना का स्थान शहर के विस्तार वाले क्षेत्र में होने से रेलवे स्टेशन, शिक्षण संस्थान, अस्पताल और बाजार की पहुंच आसान रहेगी।प्राधिकरण के अनुसार योजना लगभग 39 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है, जहां चौड़ी सड़कें, हरित पट्टी, जलापूर्ति, सीवर, विद्युत और सामुदायिक सुविधाएं विकसित होंगी। मंडलायुक्त कार्यालय में मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने सह्याद्रि आवासीय योजना को लांच किया। मंडलायुक्त ने कहा कि यह योजना वर्ष 2010-11 से लंबित थी। अब किसानों से भी मामलों का समाधान होने के बाद लांच किया जा रहा है। कांठ व दिल्ली रोड को जोड़ने वाली इस आवासीय योजना में आवास के अलावा शिक्षा, पार्क, व्यवसायिक भूखंड की शामिल किए गए हैं। सह्याद्रि में सात श्रेणियों में भूखंड- पहले चरण में 609 भूखंड आवेदन के लिए खोले गए हैं। इनमें 50 वर्गमीटर से 200 वर्गमीटर तक के भूखंड शामिल हैं। योजना में 200 वर्गमीटर, 162 वर्गमीटर, 112.5 वर्गमीटर, 81.50 वर्गमीटर, 72 वर्गमीटर, 60 वर्गमीटर और 50 वर्गमीटर श्रेणी के प्लाट उपलब्ध कराए जाएंगे। इनकी दर 39,600 रुपये प्रति वर्गमीटर तय की गई है। आवेदन 18 मई से शुरू होकर 17 जून तक किए जा सकेंगे। पूरी प्रक्रिया आनलाइन होगी। आरक्षण और भुगतान व्यवस्था-योजना में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, सरकारी कर्मचारी और भूतपूर्व सैनिकों के लिए शासन के नियमों के अनुसार आरक्षण रहेगा। सामान्य वर्ग के आवेदकों को भूखंड की अनुमानित कीमत का 10 प्रतिशत पंजीकरण धनराशि जमा करनी होगी, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य आरक्षित वर्ग के आवेदकों को पांच प्रतिशत राशि जमा करनी होगी। आवेदन शुल्क 1500 रुपये रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी बढ़ने से बढ़ा ठंडे पेय पदार्थों का कारोबार, बारिश से लगा था झटका

गर्मी बढ़ने से ठंडे पेय पदार्थो का कारोबार बढ़ गया है। गर्मी से बचने को लोग बेल का शर्बत पी रहे हैं। इसके अलावा गर्मी में गन्ने की जूस और लस्सी की मांग बढ़ी है। पारा 40 डिग्री तक पहुंचने से लोगों का जीना मुहाल हो गया। घरों और दुकानों में लगे सीलिंग फेन गरम हवा दे रहे हैं। दिन निकलते ही आसमान से सूरज तपिश बरसाता रहा, सुबह 10 बजे से सूरज की तपिश से लोग बेचैन रहे, गर्म हवा चलना शुरू हो गईं। मौसम वैज्ञानिक 11 और 13 मई को आंधी बारिश से कारोबार को कुछ झटका लगा था। रविवार की दोपहर तापमान 40 डिग्री सेल्यिस तक पहुंच गया। जबकि, आर्द्रता 27 प्रतिशत रह गई। घर और दफ्तर से बाहर निकलते ही गर्म हवा के थपेड़े मुहं पर लगने लगे। दिनों-दिन गर्मी बढ़ती जा रही है और पूरा दिन सूर्य देव आग बरसा रहे हैं। बारिश के कारण पिछले चार-पांच दिन से मौसम की तल्खी कम हो गई थी लेकिन, रविवार को चिलचिलाती धूप और गरम हवा के कारण ठंडे पेय पदार्थो का कारोबार बढ़ गया है लोगों ने गन्ने का जूस, बेल का शर्बत और लस्सी पीकर गला तर किया। 19 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा से राहगीरों को दिक्कत हुई। लोगों सिर पर अंगोछा डालकर घरों से बाहर निकले। हाल-ए-मौसम अधिकतम तापमान- 40 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान- 27 डिग्री सेल्सियस आद्रता- 27 प्रतिशत वायु वेग- 19 किमी. प्रति घंटा

नवीन मंडी में 2.32 करोड़ से बनेंगी 35 नई दुकानें

रामपुर। शहर स्थित नवीन मंडी में व्यापारिक सुविधाओं के विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। मंडी समिति की ओर से भेजा गया प्रस्ताव शासन स्तर से पास हो चुका है। अब जल्द ही 2.32 करोड़ रुपये की लागत से 35 नई दुकानों के निर्माण और सड़क-नालियों की मरम्मत के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।मंडी समिति में वर्तमान में 144 दुकानें हैं। जगह की कमी के कारण लंबे समय से व्यापारियों को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पा रहा था। कई आढ़तियों को सीमित जगह में कारोबार करना पड़ रहा था, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा था। नई दुकानों के निर्माण से आढ़तियों को व्यवस्थित स्थान मिलेगा और मंडी में व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।इसके अलावा मंडी की जर्जर सड़कों और क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत भी कराई जाएगी। मंडी समिति का कहना है कि इससे किसानों, व्यापारियों और ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। अधिकारियों के अनुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।मंडी परिसर की बदलेगी नई दुकानों के निर्माण और सड़क-नाली मरम्मत के बाद मंडी परिसर अधिक व्यवस्थित दिखाई देगा। इससे व्यापारिक गतिविधियां बढ़ने के साथ किसानों को आवागमन में भी राहत मिलेगी। मंडी में 35 दुकानों के निर्माण और सड़क-नाली मरम्मत का प्रस्ताव पास हो चुका है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। -मनोज कुमार, मंडी सचिव, रामपुर

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं एन कार्ड की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीत – जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं एन कार्ड की समीक्षा बैठक ऑनलाइन सम्पन्न हुई। बैठक में शासकीय अधिवक्तावार अभियोजन वादों का विवरण, जमानत प्रार्थना पत्रों के निस्तारण, दोषमुक्त हुये वादो में योजित अपीलों का विवरण, समन और वारंट के तामीला विवरण, गवाहों की स्थिति, सत्र न्यायालय में स्वीकृत/अस्वीकृत जमानतों आदि का विवरण प्रस्तुत किया गया। अभियोजन सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पास्को, एससी, एसटी एक्ट, गैंगस्टर, बलात्कार, महिला/बच्चों अपराधों सम्बन्धी मुकदमों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि महिला/बच्चों सम्बन्धी अपराधों व बलात्कार सम्बन्धी प्रकरणों की सुनवाई प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाये। बैठक के दौरान जिलाधिकारी को समन/तामीला सम्बन्धी जानकारी दी गई तथा महिला अपराध में सजा सहित अन्य कार्यवाहियों से अवगत कराया गया। एन कार्ड के अर्न्तगत विगत माह में किए गए कार्यों के समीक्षा की गई एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी कार्यवाही करने एवं आपसी समन्वय स्थापित कर सूचना तंत्र विकसित कर अधिक मात्रा में मादक पदार्थ अपहृत करने हेतु निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जनपद में खेतों के किनारे भांग के पौधे पाए जाते है तो उन्हें नष्ट कराया जाये। औषधि निरीक्षक को निर्देश दिये मेडिकल स्टोरों की जॉच करें, नशीली दवाएं पाये जाने पर उनके विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती गांवों में सूचना तंत्र को मजबूत किया जाये, जिससे कि मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाई जा सके। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि नशे के विरूद्ध विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाए गए और छात्र/छात्राओं को जागरूक किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), जिला आबकारी अधिकारी, अभियोजन अधिकारी, अधिवक्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

57 ग्राम पंचायतें बनेंगी हाईटेक, ये बुनियादी सुविधाएं कराएंगी शहर जैसा अहसास

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अब आने वाले दिनों बरेली के गांव बुनियादी सुविधाओ से महरूम नहीं रहेंगे। क्योंकि तेजी से स्मार्ट होते बरेली शहर के बाद यहां की ग्राम पंचायतों की संवारने का बीड़ा सरकार ने उठाया है। अधिकारियों की माने तो प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत शहर की 57 ग्राम पंचायतों को चमकाने की तैयारी है। यानी आने वाले वक्त में जिले की किसी ग्राम पंचायत में जाते वक्त शहर जैसी सुविधाओं का अहसास करें तो हैरानी की बात नहीं होगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि ग्राम पंचायतों को चमकाने की तैयारी के लिए बजट भी मंजूर हो गया है। बस अब तैयारी इस योजना को जमीन पर उतारने की है। इन चुनिंदा गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विकास करने के लिए प्रति ग्राम पंचायत 20 लाख रुपये का विशेष बजट स्वीकृत किया गया है। लिहाजा अगले चरण में तेजी के साथ विकास का खाका तैयार कर उसके मुताबिक ही योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा।

छात्र संख्या बढ़ाने के लिए कॉलेजों को प्रचार-प्रसार के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी प्रो. सुधीर कुमार ने बरेली एवं मुरादाबाद मंडल के राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों को छात्र संख्या बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दोनों मंडल के सभी महाविद्यालयों को पत्र जारी करते हुए स्पष्ट निर्देशित किया है कि उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज के निर्देशानुसार प्रवेश प्रक्रिया को गति देने के लिए सभी महाविद्यालय 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित इंटर कॉलेजों से संपर्क स्थापित करें। निर्देशों के अनुसार महाविद्यालयों को प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रमों एवं सुविधाओं की जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही होर्डिंग, पोस्टर, पंपलेट, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करने को कहा गया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि छात्र संख्या में वृद्धि नहीं होने की स्थिति में संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों की कार्यक्षमता का मूल्यांकन भी किया जाएगा। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने सभी संस्थानों को निर्देशों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

सीबीएसई में ऑल इंडिया सेकेंड रैंक हासिल कर मानवी पटेल ने बढ़ाया बरेली का मान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कुर्मी क्षत्रिय सभा के पदाधिकारियों ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में ऑल इंडिया सेकेंड रैंक प्राप्त करने और 99.6 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले का नाम रोशन करने वाली छात्रा मानवी पटेल को बधाई दी। सभा की ओर से मानवी पटेल को स्मृति चिन्ह और फूलों का बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि मानवी की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे बरेली के लिए गर्व का विषय है। सभा के जिलाध्यक्ष एड. के.पी. सेन गंगवार ने कहा कि मानवी पटेल ने कठिन मेहनत और लगन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता हासिल की है। उनकी उपलब्धि समाज और जिले के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा बनेगी। महामंत्री रामऔतार गंगवार, प्रेम शंकर गंगवार, मूलचंद्र गंगवार, आलोक गंगवार और एड. मनोज बाबू गंगवार ने भी मानवी पटेल को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पदाधिकारियों ने कहा कि मानवी आने वाले समय में भी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएंगी और जिले का नाम देशभर में रोशन करेंगी। मीडिया प्रभारी देश दीपक गंगवार ने बताया कि समाज के लोगों में मानवी की इस सफलता को लेकर खुशी का माहौल है। वहीं अरविंद पटेल, व अन्य सदस्यों ने भी छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

बकरीद पर प्रशासन सख्त: डीएम और एसएसपी की दो टूक – खुले में कुर्बानी नहीं, वीडियो वायरल करने पर होगी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिला अधिकारी अविनाश सिंह व एसएसपी अनुराग आर्य की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन सभागार में हुई बकरीद को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कानून-व्यवस्था, साफ-सफाई, बिजली-पानी और कुर्बानी व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि खुले में कुर्बानी न की जाए और प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पूरी तरह प्रतिबंधित रहे। उन्होंने नगर निगम, नगर निकाय और ग्राम पंचायत अधिकारियों को साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा कुर्बानी के अवशेषों का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने नगर आयुक्त को अतिरिक्त सफाई टीमें बनाने, बिजली विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने और पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही बच्चों को कुर्बानी की वीडियो न बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल न करने के लिए जागरूक करने के निर्देश भी दिए। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि केवल पारंपरिक आयोजनों की अनुमति होगी, बिना अनुमति कोई नया आयोजन या जुलूस नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की अफवाह, अभद्रता या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पूर्णिमा सिंह, अविनाश त्रिपाठी, समस्त उपजिलाधिकारी सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी नॉर्थ मुकेश मिश्रा, एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान ब पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं पीस कमेटी के सदस्य मौजूद रहे ।

फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने 48 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर का किया खुलासा

शराब के लालच में दोस्त बने कातिल, गला दबाकर उतारा मौत के घाट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने महज दो दिन पहले हुई हत्या की सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मृतक आदेश मिश्रा की हत्या शराब पिलाने के बाद रुपये लूटने की नीयत से की गई थी। बताया जा रहा है कि 14 मई को आदेश मिश्रा एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे, लेकिन वापस घर नहीं लौटे। अगले दिन उनका शव मढ़ौली इलाके में नहर किनारे पड़ा मिला। मामले में थाना फतेहगंज पश्चिमी में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर पुलिस टीम ने तेजी से जांच करते हुए आरोपी सोनू कश्यप और शहंशाह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि उन्होंने शराब के दौरान मृतक के पर्स में नकदी देखी और लालच में आकर उसे ज्यादा शराब पिलाकर गला दबा दिया। हत्या के बाद आरोपी नकदी और पर्स लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मृतक का पर्स, ड्राइविंग लाइसेंस समेत जरूरी दस्तावेज और 2670 रुपये बरामद किए हैं। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह समेत पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

छह महीने की लव मैरिज का खौफनाक अंत, फंदे पर मिली कोमल की लाश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । सुभाषनगर थाना क्षेत्र के शांति विहार में 18 वर्षीय कोमल मिश्रा की संदिग्ध मौत से सनसनी फैल गई। प्रेम विवाह के महज छह महीने बाद कोमल का शव ससुराल में फांसी के फंदे पर लटका मिला। मायके पक्ष ने इसे आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या बताते हुए पति और ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों के मुताबिक कोमल ने अमित मंडल से लव मैरिज की थी। परिवार ने बेटी की खुशी के लिए इंटरकास्ट शादी भी स्वीकार कर ली थी, लेकिन शादी के बाद से ही दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि पति, सास और ससुर आए दिन मारपीट करते थे। करीब एक महीने पहले कोमल के हाथ की नस काटे जाने का भी आरोप लगाया गया है। मृतका के भाई अनुराग मिश्रा ने कहा कि उसकी बहन की बेरहमी से हत्या कर शव को फंदे पर लटका दिया गया। पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

सुभाषनगर पुलिस ने मायके पक्ष की तहरीर पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह साफ हो सकेगी।

बड़े मंगल पर गूंजे बजरंगबली के जयकारे, भक्तिमय हुआ श्री हरि मंदिर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । मॉडल टाउन स्थित श्री हरि मंदिर में ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगलवार पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री ने श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन और भव्य श्रृंगार कराया, जहां भक्तों ने अपनी मनोकामनाओं के साथ पूजा-अर्चना की। शाम को श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। रवि छाबड़ा, संजय आनंद, पंकज, सचिन सेठी और सौरभ ने भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और आरती हुई। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि यह आयोजन कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है, जिसमें युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से बढ़ रही है। कार्यक्रम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा सहित कई सदस्य मौजूद रहे। अंत में भंडारा प्रसाद का वितरण किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आज महा के तीसरे बुधवार को होगा किसान दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के प्रत्येक तृतीय बुद्धवार को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया जाता है। माह मई 2026 का किसान दिवस तृतीय बुद्धवार दिनांक 20.05.2026 को समय 12 बजे से 02 बजे अपरान्ह तक गॉधी सभागार कलेक्टेऊ्ट कम्पाउन्ड पीलीभीत में आयोजित किया जायेगा। किसान दिवस में किसानों की समस्याओं के निदान हेतु बैठक में उपस्थित अधिकारियों/विशेषज्ञों द्वारा अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं, कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी तथा कृषकों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्वक समाधान किया जायेगा। उप कृषि निदेशक ने किसान भाईयों से अपील की गई कि अधिक से अधिक संख्या में किसान दिवस में प्रतिभाग करें।

22 मई को बरेली में जुटेंगे तीन मंडलों के कृषि अधिकारी, खरीफ उत्पादकता बढ़ाने पर होगी बड़ी गोष्ठी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। 22 मई को कृषि विभाग की बड़ी मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी-2026 का आयोजन किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण बैठक आईवीआरआई संस्थान स्थित विवेकानन्द ऑडिटोरियम, इज्जतनगर में पूर्वान्ह 10ः30 बजे आयोजित होगी। गोष्ठी की अध्यक्षता कृषि उत्पादन आयुक्त उत्तर प्रदेश शासन करेंगे, जिसमें अलीगढ़, आगरा और बरेली मंडल के कृषि विभाग से जुड़े अधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल होंगे। आयुक्त बरेली मंडल भूपेन्द्र एस चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि खरीफ फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, नई तकनीकों के प्रयोग और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में कृषि योजनाओं की समीक्षा के साथ आगामी खरीफ सीजन की रणनीति भी तय की जाएगी।

गंगा दशहरा पर लखनऊ-हरिद्वार के बीच चलेगी विशेष ट्रेन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दशहरा पर रेलवे बरेली होकर 25 और 26 मई को अनारक्षित श्रेणी की विशेष ट्रेन का संचालन करेगा। सोमवार को मुरादाबाद मंडल ने गाड़ी की समय सारिणी जारी कर दी। इस ट्रेन के संचालन से हरिद्वार जाने वाले यात्रियों को खासी राहत मिलने की उम्मीद है। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि 04302 हरिद्वार-लखनऊ गंगा दशहरा विशेष गाड़ी हरिद्वार से शाम 6ः35 बजे चलने के बाद लक्सर, नजीबाबाद, नगीना, धामपुर, स्योहारा, कांठ, मुरादाबाद, रामपुर होते हुए रात 12ः06 बजे बरेली आएगी। यहां से शाहजहांपुर, हरदोई, बालामऊ होते हुए अगले दिन तड़के 3ः30 बजे लखनऊ पहुंचेगी। 04301 लखनऊ-हरिद्वार गंगा दशहरा विशेष गाड़ी तड़के 6ः30 बजे लखनऊ से चलने के बाद सुबह 9ः22 बजे बरेली आएगी और शाम 4ः16 बजे हरिद्वार पहुंचेगी।

कानून की पढ़ाई का सुनहरा मौका, रुविवि में LLB और LLM प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एलएलबी और एलएलएम प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आज 20 मई से शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार एलएलबी (अनुदानित महाविद्यालय) एवं एलएलएम (विश्वविद्यालय परिसर व संबद्ध महाविद्यालयों) में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने छात्रों से समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है, ताकि अंतिम समय की तकनीकी परेशानियों से बचा जा सके। प्रवेश परीक्षा के माध्यम से योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

मौसम विभाग की चेतावनी मई जून में अधिक तापमान हीटवेव (लूं) की संभावना रहे सावधान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीत - भारत मौसम विज्ञान विभाग मौसम केन्द्र द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार मई से जून के मध्य अधिक तापमान रहने की सम्भावना है। हीटवेव (लू), गर्मी, गर्म हवा से बचाव हेतु जनहित में जारी एडवाइजरी में आवश्यक दिशा-निर्देश जनहित में जारी कराना सुनिश्चित करें:- हीटवेव (लू-प्रकोप) एवं गर्म हवा से बचाव हेतु एडवाइजरी अपर जिलाधिकारी (वि./रा. ने बताया कि हीटवेव (लू), गर्मी, गर्म हवा से जन-हानि भी हो सकती है। इसके असर को कम करने के लिए और लू से होने वाली मौत की रोकथाम के लिए निम्न सावधानियाँ बरतें-कड़ी घूप में बाहर न निकलें, खासकर दोपहर 12रू00 बजे से 3रू00 बजे के बीच में। जितनी बार हो सके पानी पियें, प्यास न लगे तो भी पानी पियें। हल्के रंग के ढीले- ढाले सूती कपड़े पहनें। धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप के चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें। टोपी या छाता का उपयोग करें। यात्रा करते समय पीने का पानी साथ में रखें। अगर आपका काम बहार है, तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल जरूर करें और गिले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें। खाना बनाते समय कमरे के खिड़की एवं दरवाजे खुले रखें, जिससे हवा का आना जाना बना रहे। गर्मी से बचे, ठंडे स्थान पर रहे, तरल पदार्थ का सेवन करते रहे। ओ0आर0एस0 घोल या घर में बने पेय पदार्थ जैसे- छाछ, लस्सी, नींबू पानी, आम का पन्ना इत्यादि का अधिक से अधिक सेवन करें। रेडियो सुनिए, टीवी देखिए, स्थानीय मौसम समाचार के लिए समाचार पत्र पढ़ें। अगर आपकी तबियत ठीक न लगे या चक्कर आए तो तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करें। खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओ0आर0एस0 (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू का पानी, छाछ आदि जैसे घरेलू पेय का इस्तेमाल करें। अपने घर को ठंड़ा रखें, पर्दे, शटर आदि का इस्तेमाल करे। रात में खिड़कियाँ खुली रखें। शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थों का इस्तेमाल न करें। नियोक्ता और श्रमिक-कार्य स्थल के पास ठंडा पेयजल उपलब्ध कराएं। कार्यकर्ताओं को सीधे धूप से बचने को कहे। अति पारिश्रमिक वाले कार्यों को दिन के ठन्डे समय में निर्धारित करें। बाहरी गतिविधियों के लिए ब्रेक की आवृत्ति में वृद्धि करें। गर्भवती श्रमिकों और श्रमिकों जिन्हें चिकित्सा देख-भाल की अचानक जरुरत हो सकते हो उनका अतिरिक्त ध्यान दिया जाना चाहिए। वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों के लिये-तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें। ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो। यदि वे गर्मी से बैचेनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें। उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें। उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें। शिशुओं के लिये-उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं। शिशुओं में गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों का पता लगाना सीखें। यदि बच्चों के पेशाब का रंग गहरा है तो इसका मतलब है कि वह डिहाईड्रेशन (पानी की कमी) का शिकार हैं। बच्चों को बिना देखरेख खड़ी गाड़ी में छोड़ कर न जाएं, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते हैं। नशीले पदार्थ, शराब तथा अल्कोहल के सेवन से बचें। खाना बनाते समय कमरे के खिड़की एवं दरवाजे खुले रखें, जिससे हवा का आना जाना बना रहे। उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें। बासी भोजन न करें। खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एल्युमीनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढक कर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सकें। उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएँ आती है, काले पर्दे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें। समाचार रेडियो सुनिए, टीवी देखिए, के लिए समाचार पत्र पढ़ें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। बच्चों व पालतू जानवरों को कभी भी बंद वाहन में अकेला न छोडें। जहाँ तक संभव हो घर में ही रहें तथा सूर्य सम्पर्क से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहाँ तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढक कर रखें।

डीएम अविनाश सिंह की सर्राफा कारोबारियों से बड़ी अपील, पुराने सोने से बनवाएं नए आभूषण, देशहित में निभाएं जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। देश की आर्थिक मजबूती और विदेशी मुद्रा बचाने को लेकर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सर्राफा व्यापारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में सोने के बढ़ते आयात पर चिंता जताते हुए व्यापारियों से राष्ट्रहित में सहयोग की अपील की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत में इस्तेमाल होने वाले लगभग 90 प्रतिशत सोने का आयात विदेशों से होता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर भारी दबाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि शादी-विवाह, अक्षय तृतीया, धनतेरस और दीपावली जैसे अवसरों पर लोग पुरानी ज्वेलरी को रिसाइकिल कर नई ज्वेलरी बनवाएं और सर्राफा व्यापारी भी ग्राहकों को इसके लिए प्रेरित करें। बैठक में डीएम ने प्रधानमंत्री की नेशन फर्स्ट भावना का जिक्र करते हुए कहा कि पुराने सोने की रिसाइक्लिंग देशहित में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। साथ ही उन्होंने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि जीएसटी नोटिस, व्यापार में गिरावट और बैंकों की सीसी लिमिट जैसी समस्याओं को प्रशासन गंभीरता से लेकर समाधान की दिशा में कार्य करेगा। सर्राफा व्यापारियों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर अधिकांश कारोबार पुरानी ज्वेलरी के बदले नई ज्वेलरी बनाने का ही होता है और बुलियन कारोबार सीमित स्तर पर है। बैठक में व्यापारियों ने सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं भी रखीं, जिस पर जिलाधिकारी ने त्वरित और प्रभावी समाधान का आश्वासन दिया।

चाउमीन-बर्गर के शौकीन सावधान: हापुड़ में बन रहा जहरीला सॉस, हर बोतल में भरी हुई थी लाल रंग की मौत

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर चंडी रोड मेरठ गेट पुलिस चौकी पर नकली सॉस बनाने की सूचना मिली थी। इस पर टीम के साथ तेजेंद्र सिंह की दुकान पर छापा मारा।खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन विभाग की टीम ने यूपी के हापुड़ में चंडी रोड मेरठ गेट पुलिस चौकी के पास तेजेंद्र सिंह की दुकान पर छापा मारा। यहां दुकान के ऊपर बने कमरे में नकली सॉस बनाई जा रही थी। विभाग की टीम ने 30 पेटी को सीज कर दिया, जिसमें 360 बोतल पैक थी। इसकी अनुमानित कीमत 22,680 रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा 235 किलो सॉस को नष्ट कराया गया। इसकी अनुमानित कीमत 16,450 रुपये बताई जा रही है। सॉस के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।सूचना पर मारा छापा- सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर चंडी रोड मेरठ गेट पुलिस चौकी पर नकली सॉस बनाने की सूचना मिली थी। इस पर टीम के साथ तेजेंद्र सिंह की दुकान पर छापा मारा। यहां एक कमरे में सॉस का निर्माण किया जा रहा था। उसका परीक्षण किया गया तो पाया कि इस सॉस खाने से सेहत खराब हो सकती है।ऐसे तैयारी हो रहा था सॉस- उन्होंने बताया कि सॉस को गाजर, स्टार्च, शुगर, नमक, सोडियम बेन्जोएट खाद्य रंग मिलाकर तैयार किया जा रहा था। इसमें अधिक मात्रा में रंग और गंदगी पाई गई। उन्होंने बताया कि यहां से सॉस का नमूना लेकर जांच को भेजा जा रहा है। कार्रवाई के दौरान बाजार में अफरातफरी का माहौल रहा। इस मौके पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरपी गंगवार, प्रियंक श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

ताऊ ने नाबालिग भतीजी से किया दुष्कर्म, दवा खिलाकर कराया गर्भपात, डरा-धमका कर बनाता रहा हवस का शिकार

ताऊ ने नाबालिग भतीजी से दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर थाना पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। जसवंतनगर थानाक्षेत्र के एक गांव में रिश्तों को शर्मसार करने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। एक ताऊ ने अपनी नाबालिग भतीजी को डरा-धमका कर लगातार हवस का शिकार बनाया। बाद में किशोरी के गर्भवती होने पर आरोपी ने जबरन दवा खिलाकर उसका गर्भपात भी करा दिया। पीड़िता की बड़ी बहन के मायके आने पर इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी कप्तान सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।कप्तान सिंह ने कुछ समय पहले गोबर उठाने पहुंची 14 वर्षीया भजीती को घर में बुलाया था। वहां उसने डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी दी। कप्तान सिंह किशोरी की मां की मानसिक अस्वस्थता और पिता के मुंबई में होने का फायदा उठाता रहा और उसका शोषण करता रहा। 19 अप्रैल 2026 को किशोरी के पेट में दर्द और सूजन होने पर पोल खुलने के डर से कप्तान सिंह ने उसे दवा खिला दी जिससे करीब दो माह का गर्भ गिर गया।किशोरी ने बड़ी बहन को सुनाई आपबीती- दवा खाने के बाद किशोरी को कई दिनों तक लगातार रक्तस्राव होता रहा लेकिन बदनामी और धमकी के डर से सहमी किशोरी मामले को छिपाए रखी। 13 मई को पीड़िता की शादीशुदा बड़ी बहन मायके आई थी। उसने किशोरी की बिगड़ी हालत देखी। काफी पूछने पर पीड़िता ने आपबीती सुनाई। जेल भेजा गया आरोपी- इसके बाद परिजन ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। थाना प्रभारी कमल भाटी ने बताया कि पुलिस ने विभिन्न गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी कप्तान सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल परीक्षण और डीएनए जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

चाऊमीन खाने और कोल्ड ड्रिंक पीते ही छात्रा की बिगड़ी हालत, मौत से मचा कोहराम

बसरेहर के ग्राम चंपानेर में सोमवार रात बीएससी छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि बाजार में अंडा चाऊमीन खाने के बाद उसने कोल्ड ड्रिंक पी थी। इसके कुछ ही देर बाद तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया।ग्राम चंपानेर निवासी मुकेश कुमार की पुत्री दिव्या (20) बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। सोमवार को वह बाजार गई थी। मुकेश ने बताया कि दिव्या ने बाजार में अंडा चाऊमीन खाई और कोल्ड ड्रिंक पी ली। कुछ देर बाद जब वह घर लौटी तो उसे तेज बेचैनी होने लगी। देखते ही देखते उसकी हालत बिगड़ती चली गई। परिजन ने शुरुआत में दिव्या की हालत को सामान्य समझकर घर पर ही प्राथमिक उपचार शुरू किया लेकिन उसकी स्थिति लगातार गंभीर होती गई।हालत जब काबू से बाहर हो गए तो परिजन आनन-फानन में उसे रात करीब साढ़े आठ बजे सीएचसी बसरेहर ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दिव्या को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष सौरभ सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजन ने चाऊमीन खाने के बाद कोल्ड ड्रिंक पीने से तबीयत बिगड़ने की बात कही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

दिल दहलाने वाली दास्तां: छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म, पीड़िता बोली- लगाए नशीले इंजेक्शन, सिगरेट से दागा हाथ

पीड़िता ने आरोप लगाया कि भाई की हत्या कराने की धमकी देकर शादी का दबाव डाला। पीड़िता 16 दिन तक अपहरण करने वालों के चंगुल में रही। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है।महोबा में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। 16 दिन बाद आरोपियों के चंगुल से छूटी पीड़िता ने पूरी घटना बताई। आरोप है कि उसे नशीले इंजेक्शन लगाए गए, दुष्कर्म किया और सिगरेट से हाथ दागा। आरोपियों ने उसकी भाई की तस्वीर दिखाकर हत्या कराने की धमकी देते हुए शादी का दबाव डाला। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित की गई हैं।मध्यप्रदेश के जनपद छतरपुर की रहने वाली 25 वर्षीय युवती महोबा में किराये का कमरा लेकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। तीन मई को नीट का पेपर था। इससे पहले 30 अप्रैल की शाम जब छात्रा लाइब्रेरी से लौट रही थी तो रास्ते में वह गायब हो गई। रात में जब उसकी मां का बेटी से संपर्क नहीं हुआ तो उसने शहर कोतवाली पहुंचकर पुलिस से शिकायत की।पुलिस ने खोजबीन की लेकिन छात्रा का कोई पता नहीं चला। खोजबीन के दौरान छात्रा की मां ने सात मई को कोतवाली महोबा में बेटी का अपहरण करने का आरोप लगाते हुए छतरपुर के पठा लवकुश नगर निवासी मोहित, अंकित और संतराम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मां ने बताया था कि आरोपी पहले भी उसकी बेटी के साथ छेड़खानी कर चुके हैं। जिसकी प्राथमिकी महिला थाना छतरपुर में दर्ज है। इसी रंजिश में युवकों ने फिर से उसकी बेटी का अपहरण किया है। 16 मई को कोतवाली पुलिस ने छात्रा को बरामद किया था लेकिन आरोपी नहीं पकड़े गए थे। 17 मई को संपर्ण समाधान दिवस में छात्रा के परिजनों ने हंगामा करते हुए पुलिस पर बयान दर्ज करने में लापरवाही करने का आरोप लगाया था। साथ ही पुलिस पर आरोपी पक्ष का सहयोग करने का आरोप था। पुलिस ने युवती का बयान दर्ज करने के बाद न्यायालय में उसका बयान कराया। छात्रा ने बताया कि 30 अप्रैल की शाम को चार पहिया सवार कुछ लोग उसके पास आकर रुके और दो-तीन लोग नीचे उतरे जबकि कुछ अंदर बैठे थे। उसे जबरदस्ती कार के अंदर खींच लिया गया और फिर उसके साथ जबरदस्ती की। रास्ते में उसे इंजेक्शन लगाए गए। आरोपी उसे कहां ले गए, उसे नहीं पता चला। उसे बंधक बनाए रखा गया और उसके साथ मारपीट की गई और इंजेक्शन दिया गया।13 मई को उसे प्रयागराज ले जाया गया, जहां एक आरोपी युवक ने मोबाइल में उसके भाई की तस्वीर दिखाते हुए कहा कि एक व्यक्ति, भाई के पीछे लगाया गया है और अगर तुमने शादी नहीं की तो तुम्हारे भाई की हत्या कर दी जाएगी। यह धमकी देकर उस पर शादी का दबाव डाला गया। पीड़िता ने बताया कि उसके शरीर पर चाकू व सिगरेट के दागने के भी निशान हैं। इस दौरान उसके फोटो और वीडियो भी बनाए गए। युवती के न्यायालय में बयान दर्ज कराए गए हैं। उसके आरोपों के आधार पर कुछ अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जिन्हें शीघ्र ही न्यायालय में पेश किया जाएगा। अन्य आरोपियों की गिरफ्तार के लिए एसओजी, सर्विलांस समेत चार टीमों का गठन किया गया है। शीघ्र ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। - वंदना सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, महोबा

इश्क में बेवफाई□ झांसा देकर रांची से ले आया प्रेमिका फिर शादी से किया इन्कार, सोशल साइट पर हुई थी दोस्ती

प्रेमिका ने आरोपी युवक के खिलाफ बकेवर थाने में गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।सोशल साइट पर दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर इटावा का युवक झारखंड से युवती ले आया। युवती को यहां लाने के बाद युवक ने शादी से इन्कार कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर बकेवर थाना पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मूलरूप से रांची के ग्राम अरमू अरगौड़ा और हाल निवासी महादेव मंडा-चुटिया रांची झारखंड की युवती ने पुलिस को तहरीर दी।इसमें बताया कि बचपन में ही उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। उसका पालन-पोषण उसकी मौसी ने किया। करीब एक साल पहले सोशल साइट के माध्यम से उसकी दोस्ती बकेवर थानाक्षेत्र के कस्बा लखना तकिया मुहाल निवासी ताजिम से हुई। धीरे-धीरे दोनों की बातचीत प्यार में बदल गई। पीड़िता के मुताबिक ताजिम पहले कई बार मिलने रांची आ चुका था। 13 मई को वह दोबारा रांची में मौसी के घर पहुंचा और उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ चलने के लिए राजी कर लिया।शादी करने से साफ इन्कार किया 17 मई को आरोपी युवक युवती को लखना ले आया। युवती का आरोप है कि लखना पहुंचने के बाद आरोपी ताजिम ने शादी करने से साफ इन्कार कर दिया। थाना प्रभारी बकेवर विपिन मलिक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अपहरण समेत कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की जांच एसआई अंकित पटेल को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

रजवांस में बनेगा 33/11 केवी उपकेंद्र, 50 गांवों के 5000 किसानों को मिलेगा लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा - विदिशा जिले के ग्राम रजवांस में पूर्व मंडी अध्यक्ष स्वर्गीय कमल सिंह रघुवंशी की पुण्य स्मृति में एक महत्वपूर्ण जनहितकारी पहल की गई। उनके पुत्र मुकेश सिंह रघुवंशी द्वारा गांव में 33/11 केवी उपकेंद्र निर्माण के लिए दो बीघा भूमि दान स्वरूप प्रदान की गई। इस उपकेंद्र का भूमि पूजन मध्य प्रदेश शासन के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत द्वारा विधिवत किया गया। बताया गया कि ग्राम में सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण पिछले दो वर्षों से यह विद्युत उपकेंद्र निर्माण कार्य अटका हुआ था। भूमि उपलब्ध होने के बाद अब लगभग 2.64 करोड़ रुपये की लागत से उपकेंद्र का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को लंबे समय से लो वोल्टेज, बार-बार बिजली फाल्ट और कटौती जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। किसानों को मजबूरी में रात के समय सिंचाई करनी पड़ती थी, जिससे उन्हें काफी परेशानियां होती थीं। अब इस नए उपकेंद्र के निर्माण से आसपास के करीब 50 गांवों की बिजली संबंधी समस्याओं का समाधान होने की उम्मीद है। इस परियोजना से लगभग 5000 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों को दिन में बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी तथा सिंचाई कार्य भी सुचारू रूप से हो पाएगा। कार्यक्रम में देवेन्द्र सिंह रघुवंशी, मुकेश सिंह रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रघुवंशी, एडवोकेट हर्षवर्धन सिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक एवं किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय कमल सिंह रघुवंशी के सामाजिक एवं किसान हितैषी कार्यों को याद किया गया। वे 12 वर्षों तक मंडी अध्यक्ष, जनपद पंचायत सभापति एवं मार्केटिंग सोसायटी में रहते हुए किसानों के अधिकारों के लिए समर्पित रहे। ग्रामीणों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रघुवंशी परिवार भविष्य में भी क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए सदैव आगे रहेगा।

खबर का असर: महूली हाई स्कूल में शुरू हुआ कार्यालय संचालन

डीईओ के आदेश उल्लंघन की खबर प्रकाशित होने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में, विद्यालय खुला

क्यूँ न लिखूँ सच /सूरजपुर/ चांदनी बिहारपुर। चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के शासकीय हाई स्कूल महूली में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश के बावजूद विद्यालय कार्यालय बंद रहने की खबर प्रकाशित होने के बाद शिक्षा विभाग में हलचल तेज हो गई। खबर सामने आने के बाद आज से विद्यालय का संचालन शुरू कर दिया गया है। गौरतलब है कि जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर द्वारा 15 मई 2026 को आदेश क्रमांक 4173 जारी कर सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों को निर्देशित किया गया था कि ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि में भी विद्यालय कार्यालय प्रत्येक कार्यदिवस पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक खुले रहेंगे। इसके बावजूद महूली हाई स्कूल में ताला लटका मिलने का मामला सामने आया था, जिससे ग्रामीणों और अभिभावकों में नाराजगी थी। खबर प्रकाशित होने के बाद शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया और आज विद्यालय में कार्यालय संचालन शुरू हो गया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि आगे भी आदेशों का पालन नियमित रूप से कराया जाएगा ताकि विद्यार्थियों और अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों का कहना है कि मीडिया द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया, जिससे अब विद्यार्थियों को टीसी, अंकसूची एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज समय पर मिल सकेंगे। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही रोकने के लिए क्या स्थायी कदम उठाता है।

रास्ते में किशोरी से छेड़खानी, विरोध करने पर पिता को पीटा, एक आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत के गजरौला इलाके में एक किशोरी से युवक ने छेड़खानी की। जब उसके परिजन शिकायत करने पहुंचे तो आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनकी पिटाई कर दी। पीड़ित ने दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीलीभीत के थाना गजरौला क्षेत्र में तरबूज खरीदने गई 17 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़खानी और विरोध करने पर उसके पिता के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि शिकायत लेकर आरोपी के घर पहुंचे परिजनों के साथ गाली-गलौज की गई। किशोरी के पिता की आंख पर ईंट मारकर घायल कर दिया गया। पुलिस ने दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।पीलीभीत के थाना गजरौला क्षेत्र में तरबूज खरीदने गई 17 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़खानी और विरोध करने पर उसके पिता के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि शिकायत लेकर आरोपी के घर पहुंचे परिजनों के साथ गाली-गलौज की गई। किशोरी के पिता की आंख पर ईंट मारकर घायल कर दिया गया। पुलिस ने दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।जान से मारने की धमकी दी - आरोप है कि वहां सोनू, मोनू और दो अज्ञात लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की और महिला के पति की आंख पर ईंट मार दी, जिससे वह घायल हो गए। पीड़िता पक्ष का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी ब्रजवीर सिंह ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी मोनू को गिरफ्तार कर चालान किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

भ्रष्टाचार पर डीएम का बड़ा प्रहार, अटरिया प्रधान बर्खास्त

प्रधानमंत्री आवास योजना में रिश्वतखोरी के आरोप पर जगम्मनपुर प्रधान को नोटिस, वित्तीय अधिकार सीज करने का दिया नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जनपद में भ्रष्टाचार और योजनाओं में अनियमितता के खिलाफ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत विकास खण्ड डकोर की ग्राम पंचायत अटरिया के ग्राम प्रधान दीपू खटीक को पद से बर्खास्त कर दिया गया है,

जबकि विकास खण्ड रामपुरा की ग्राम पंचायत जगम्मनपुर के प्रधान के विरुद्ध प्रधानमंत्री आवास योजना में रिश्वतखोरी के गंभीर आरोपों पर वित्तीय अधिकार सीज करने की कार्रवाई प्रारंभ करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि गरीबों के हक पर डाका डालने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायत अटरिया के प्रधान दीपू खटीक के विरुद्ध जांच में गंभीर अनियमितताएं एवं पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों का लगातार उल्लंघन प्रमाणित पाया गया। आरोप सिद्ध होने पर उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1947 की धारा 95(1)(छ) के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें प्रधान पद से बर्खास्त कर दिया गया।

वहीं ग्राम पंचायत जगम्मनपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक कुष्ठ रोगी लाभार्थी से आवास स्वीकृति एवं किस्त जारी कराने के नाम पर 25 हजार रुपये रिश्वत लेने का मामला वायरल ऑडियो और वीडियो के माध्यम से सामने आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लिया। जिला पंचायत राज अधिकारी ने जारी नोटिस में कहा गया है कि आवास योजना जैसी जनकल्याणकारी योजना में लाभार्थियों से अवैध धन उगाही न केवल भ्रष्टाचार है बल्कि प्रधान पद की गरिमा और जिम्मेदारियों का खुला उल्लंघन भी है। संबंधित प्रधान से 20 दिन के भीतर साक्ष्यों सहित तथ्यात्मक स्पष्टीकरण मांगा है।

स्पष्ट किया गया है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1947 की धारा 95(1)(छ) के तहत कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि शासन की योजनाओं में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। गरीब, असहाय और पात्र लाभार्थियों के अधिकारों से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

नगर निकायों में स्वच्छता, जलापूर्ति एवं सीवरेज कार्यों से लाखों नागरिकों को मिला लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों द्वारा विगत वर्षों में स्वच्छता, जल आपूर्ति एवं जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए गए हैं।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार मार्च 2012 से मार्च 2017 तक तथा मार्च 2017 से दिसंबर 2025 तक विभिन्न योजनाओं पर करोड़ों रुपये व्यय कर लाखों नागरिकों को लाभान्वित किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्च 2012 से मार्च 2017 तक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों पर लगभग 318.54 लाख रुपये का बजट व्यय किया गया, जिससे 64,653 लाभार्थियों को लाभ मिला। वहीं मार्च 2017 से दिसंबर 2025 तक इसी क्षेत्र में 4636.98 लाख रुपये खर्च किए गए, जिससे 3,69,950 लोगों को सीधा लाभ प्राप्त हुआ।

इससे नगर क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था को मजबूत करने, कूड़ा निस्तारण एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जल आपूर्ति एवं प्रबंधन के क्षेत्र में मार्च 2012 से मार्च 2017 तक 263.18 लाख रुपये व्यय कर 16,194 लोगों को लाभान्वित किया गया। इसके बाद मार्च 2017 से दिसंबर 2025 तक 1884.69 लाख रुपये की लागत से कार्य कराए गए, जिससे 1,45,090 नागरिकों को शुद्ध पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई गई। इन कार्यों के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तार, पेयजल टंकियों का निर्माण एवं जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए गए। इसी प्रकार जल निकासी एवं सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मार्च 2012 से मार्च 2017 तक 487.65 लाख रुपये व्यय किए गए, जिससे 16,194 लोग लाभान्वित हुए। वहीं मार्च 2017 से दिसंबर 2025 तक 2039.12 लाख रुपये की लागत से विभिन्न कार्य कराए गए, जिनसे 1,57,114 नागरिकों को लाभ मिला। इन योजनाओं के माध्यम से जलभराव की समस्या को कम करने एवं बेहतर सीवरेज व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। नगर निकायों द्वारा संचालित इन विकास कार्यों से नगर क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं।

धर्मांतरण मामला: कश्मीर से वीडियो कॉल पर बोला विशाल- अपनी मर्जी से बना हमजा, भाजपा नेता बोले-लौट आओ बेटा

बिजनौर का विशाल कश्मीर में तीन साल से सैलून पर काम कर रहा है। उसने धर्म परिवर्तन कर लिया और उसका नाम हमजा रखा गया है। इस मामले का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। बिजनौर पुलिस मामले की जांच के लिए कश्मीर पहुंच गई है। कश्मीर में सैलून पर काम करने वाला बिजनौर का विशाल धर्म बदलकर हमजा बन चुका है। इस प्रकरण की जांच के लिए बिजनौर पुलिस मंगलवार शाम कश्मीर पहुंच गई, जोकि कुपवाड़ा पुलिस से भी संपर्क बनाए हुए है। उधर भाजपा नेता ऐश्वर्य मौसम चौधरी ने विशाल के माता-पिता की मौजूदगी में वीडियो कॉल पर बात की।मंगलवार शाम छह बजे बिजनौर पुलिस कश्मीर के कुपवाड़ा पहुंच गई। एसपी अभिषेक झा के निर्देश पर दो टीमों का गठन करने के बाद मामले की विस्तृत के लिए कश्मीर रवाना किया गया था। इसके साथ बिजनौर पुलिस के अफसर कुपवाड़ा पुलिस से भी संपर्क बनाए रहे, ताकि विशाल उर्फ हमजा तक आसानी से पहुंचा जा सके। बता दें कि सोमवार को पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह को संग लेकर गांव खानजहांपुर बहादर निवासी कृष्ण कुमार एसपी से मिले थे। कृष्ण कुमार की ओर से दिए गए शिकायती पत्र में कहा गया कि गांव काजीवाला के वसीम के साथ उनका बेटा विशाल कश्मीर में तीन साल पहले सैलून पर करने गया था। आरोप लगाया कि अब 15 मई को विशाल का जबरन धर्म परिवर्तन करा दिया गया है। काजीवाला निवासी वसीम और अन्य कई अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी। इस प्रकरण का राज वीडियो वायरल होने पर खुला था। वीडियो कश्मीर के गांदरबल जिले की मरकजी जामिया मस्जिद का है। इसमें मौलवी विशाल को कलमा पढ़वा रहे हैं और विशाल को नया नाम मोहम्मद हमजा दे दिया गया। मस्जिद से बाहर निकलने की दूसरी वीडियो में विशाल का स्वागत फूल मालाओं से किया जा रहा है। सीओ सिटी संग्राम सिंह का कहना है कि जांच के लिए पुलिस टीम कश्मीर गई है।भाजपा नेता ने कहा, लौट आओ विशाल

भाजपा नेता ऐश्वर्य मौसम चौधरी ने हमजा बने विशाल से उसके मां बाप के साथ वीडियो कॉल पर बात की। इस दौरान विशाल एक बाइक पर बैठकर किसी के साथ जाता दिख रहा है। भाजपा नेता ने विशाल से मां-बाप के पास लौट आने के लिए कहा। मगर हमजा ने मना कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीणों के हित में नलों की हुई मरम्मत

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार/ गंज बासौदा द्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एस. डी. ओ. अतुल मिश्रा एवं ठेकेदार गजेन्द्र रघुवंशी के सयुंक्त रूप से ग्रामीणों के हित में विशेष पहल चलाई जा रही है द्य बढ़ती भीषण गर्मी में कोई भी जल से परेशान ना हो सुचना मिलते ही तत्काल प्रभाव से नलों की मरम्मत की जा रही है जिससे ग्रामीण अंचलों के लोगो को सुविधा जानक शुध्य ठंडा पेज जल मिल सके द्य इस पहल से ग्रामीण लोगो ने प्रशंसा व्यक्त की है द्य इस जनहित की पुण्य पहल में इंजी. श्रयांस श्रीवास्तव, मेकेनिक गोलू रघुवंशी, जितेंद्र कलावत इत्यादि सभी स्टाफ के लोगो द्वारा भरपूण उत्साह पूर्वक सहयोग किया जा रहा है द्य इसी क्रम में कुल्हर,सत्ताखेड़ी जाजोंन इत्यादि गांव के नलों की मरम्मत जिससे स्थानीय लोगो ने विभाग की जमकर प्रशंसा करते हुये तारीफ है द्य इस प्रकार के जनहित में किये जा रहे अच्छे कार्यो की क्षेत्र प्रशंसा की जा रही है द्य

आत्महत्या प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच शुरू, साक्ष्य एवं तथ्य प्रस्तुत करने के लिए आमजन से अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ उप जिलाधिकारी ज्योति सिंह ने कहा- निष्पक्ष जांच के लिए 23 मई तक प्रस्तुत किए जा सकते हैं साक्ष्य व बयान जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर थाना कदौरा क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर निवासी, लोकेन्द्र अहिरवार की आत्महत्या से जुड़े प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच प्रारंभ कर दी गई है। उक्त प्रकरण की निष्पक्ष एवं तथ्यपरक जांच के लिए उप जिलाधिकारी उरई ज्योति सिंह को जांच अधिकारी नामित किया गया है। उप जिलाधिकारी ज्योति सिंह ने बताया कि मामले से संबंधित प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है, ताकि वास्तविक तथ्यों को सामने लाया जा सके और पारदर्शी तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास इस घटना से संबंधित कोई साक्ष्य, दस्तावेज, जानकारी अथवा बयान उपलब्ध हो, तो वह आगामी 23 मई 2026 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे के बीच कार्यालय उप जिलाधिकारी उरई पहुंचकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग करते हुए सत्य तथ्यों को सामने लाने में प्रशासन का सहयोग करें, जिससे जांच निष्पक्ष, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण की जा सके। प्रशासन द्वारा प्रत्येक प्रस्तुत साक्ष्य एवं बयान का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा।

उरई गल्ला मंडी चौकी में वर्दी हुई बेनकाब, दबंगई का लाइव शो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जालौन के उरई की गल्ला मंडी चौकी इस वक्त सवालों के घेरे में नहीं, बल्कि सीधे कटघरे में खड़ी नजर आ रही है। वायरल वीडियो ने ऐसा मंजर दिखाया है, जहां कानून नहीं, बल्कि कुर्सी का घमंड राज करता दिख रहा है।

कुर्सी पर बैठे चौकी इंचार्जऽ टेबल पर चढ़े पैरऽ सामने खड़ी महिलाएंऽ और लहजा ऐसा जैसे चौकी नहीं, निजी दरबार हो! मामला निपटाने के नाम पर जो हुआ, उसने वर्दी की मर्यादा को तार-तार कर दिया। जब बात नहीं बनी तो कानून के रखवाले बन गए कानून के तोड़ने वाले! महिलाओं के सामने खुलेआम गाली-गलौज-क्या यही है सुरक्षा का भरोसा? चौकी या फिर दबंग दरबार?

जहां पीड़ित न्याय मांगने आए, वहां उन्हें अपमान और डर का सामना करना पड़ा! सवालऽ क्या वर्दी अब सिर्फ रौब झाड़ने का लाइसेंस बन गई है? क्या चौकी के अंदर महिलाओं की गरिमा भी सुरक्षित नहीं? क्या जिम्मेदार अधिकारी इस तमाशे से अनजान हैं या खामोश? क्या यही है जनता की पुलिस? वीडियो ने मचाई सनसनी- सोशल मीडिया पर वीडियो आग की तरह फैल रहा है। जनता गुस्से में है, सिस्टम पर सवालों की बौछार हो रही है। हर कोई पूछ रहा है-अगर चौकी के अंदर ही सम्मान कुचला जाएगा, तो न्याय कहां मिलेगा? यह खबर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर तैयार की गई है। अभी तक किसी भी संबंधित अधिकारी द्वारा इस मामले में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब आर-पार की घड़ी क्या जालौन पुलिस इस वर्दी के कलंक पर कार्रवाई करेगी या फिर यह मामला भी फाइलों में दफन हो जाएगा? क्या चौकी इंचार्ज पर गाज गिरेगी या सिस्टम फिर खामोश रहेगा

Gave up salt, but your blood pressure is still high? Doctors reveal the hidden causes that are the real villains.

Despite reducing salt, there can be many hidden causes of high blood pressure. According to doctors, lack of sleep, stress, sugar intake, physical inactivity, and certain medications can also

increase blood pressure. Despite blood pressure. According to doctors, certain medications can also increase that kidney problems, adrenal gland imbalances can all contribute to the first sign that another health repairs itself during sleep. People who hypertension. Sleep apnea is another stop breathing for brief periods during fatigue throughout the day can be leaves little time for relaxation. Work raise blood pressure over time. When blood vessels and force the heart to pressure rise during times of stress. sweets, and processed snacks can cause hidden sugar in some foods is one of in young adults. Sitting for long periods and weakens heart health. Even a 30-days, due to the changing work culture common. Some medicines can also cough medicines and steroids can also

reducing salt, there can be many hidden causes of high lack of sleep, stress, sugar intake, physical inactivity, and blood pressure. Pre-existing health problems Doctors say problems, diabetes, thyroid disorders, and hormonal uncontrolled blood pressure. Sometimes, hypertension is problem is developing in the body. Lack of sleep - The body regularly sleep less than six hours are at higher risk of hidden problem. Many people don't even realize that they sleep. Loud snoring, morning headaches, and persistent warning signs. Stress is also a major factor: Today's lifestyle pressure, financial worries, and emotional stress can silently stress persists, the body releases hormones that constrict pump harder. This is why some people feel their blood Sugar is also harmful: Sugary drinks, packaged juices, weight gain and inflammation. Many experts believe that the most overlooked causes of high blood pressure, especially of time: Lack of physical activity affects blood circulation minute walk every day can make a big difference. These and screen time, an inactive lifestyle has become quite increase BP - Repeated use of some painkillers, cold and increase blood pressure. People often ignore this connection

because these medicines are usually available without prescription. Alcohol and smoking - Smoking causes narrowing of arteries almost immediately, while alcohol puts additional pressure on the heart. Over time, both these habits significantly increase the risk of high blood pressure and heart disease.

From the Mughal court to the world! How the Afghan Rabab became India's 'Sarod', read the fascinating story

The Sarod was considered not just a musical instrument, but a medium of spiritual practice. This instrument conveys depth, compassion, and spirituality. Let's learn how the Sarod evolved into classical music. The Sarod is a deeply resonant, powerful string instrument of Indian classical music. It conveys depth, compassion, and spirituality. The word "Sarod" is believed to be

derived from the Persian word "Surud" or "Sarud," According to musicologists, the Sarod evolved from the instrument to suit the complexity, ragas, and subtle tonal as the Sarod, was born. The Rabab was difficult to music, such as Meend and Gamak. Therefore, Indian additional strings, and a resonator string. How the Sarod significant role in the development of the Sarod. Ustad role in streamlining the Sarod's form and playing style. increased, and its sound became deeper and more a hollow wooden body, a smooth metal surface, a leather-It is played with a pick called Jawa, made from coconut. surface, which allows the player to produce extremely 18th and 19th centuries, the sarod gained prestige in many Rewa, and Maihar patronized sarod playing. In the late elevated the sarod to new heights. Among them, Ustad within the Gwalior gharana. He presented the dhrupad son, Amjad Ali Khan, brought the sarod to international

which means music, melodious sound, or singing. Afghan Rabab. Gradually, changes were made to this patterns of Indian music, and a new instrument, known effectively reproduce the subtle techniques of Indian masters evolved it by adding a smooth metal fingerboard, Evolved: The Bangash family of Afghan origin played a Ghulam Ali Bangash and his descendants played a key Over time, the Sarod grew in size, the number of strings resonant. The Sarod's construction generally consists of covered resonator, and several main and auxiliary strings. The sarod's most distinctive feature is its fretless metal subtle meend and shruti effects. Courtly prestige: In the royal courts. In particular, Gwalior, Lucknow, Rampur, 19th and early 20th centuries, several great maestros Hafiz Ali Khan was prominent, establishing sarod playing organ on the sarod in a highly impressive manner. His prominence. He also composed several new ragas and

represented Indian music worldwide. Meanwhile, Alauddin Khan, within the Maihar gharana, elevated the sarod to new technical heights. Baba Allauddin Khan was a multi-instrumentalist and developed a highly disciplined, profound ragas, and a tantric style in his sarod playing. His brother, Ustad Ayet Ali Khan, introduced several significant modifications to the sarod, which are now known as the "Maihar Sarod." In the Maihar Gharana tradition, the sarod was considered not just an instrument but a medium of spiritual practice. Ali Akbar Khan's name emerged as a significant figure in this tradition. Radhikamohan Maitra's name is significant: he established music schools in America and Europe and gave numerous international performances. Radhikamohan Maitra's name is also considered highly significant in the sarod. His playing style emphasized the seriousness of dhrupad and the purity of raga. Similarly, the depth of Ustad Bahadur Khan's alap and the clarity of the taans were particularly appreciated. What is the sarod playing style like? The sarod playing style primarily develops in the sequence of alap, jor, jhala, and gat. Its alap creates a profound and meditative atmosphere, while the intensity and rhythm of the jhala part captivate listeners. The meend technique used in the sarod is particularly renowned, as the player can draw long and expressive notes on the strings using their fingernails. This characteristic distinguishes it from the sitar and other string instruments. Various gharanas of the sarod have also developed over time, with the Senia Bangash gharana, Shahjahanpur gharana, Lucknow gharana, and Maihar gharana being the most prominent. Each gharana has its own distinctive technique, style of raga elaboration, and tradition of rhythm. In modern times, some artists have also begun experimenting with electronic sarod and fusion music, but the traditional sarod still holds supreme importance in the classical tradition.

From the kitchen to the bedroom, are ants wreaking havoc in your home? Get Rid of Them in 5 Ways

The arrival of ants in the home during the summer is common, but when they spread from kitchen containers to bedroom beds, it becomes a major problem. Sometimes in the sugar can,

sometimes a long line of ants on the floor, market can be used to drive them away, they are troubled by these uninvited guests, worry home remedies that will eliminate ants from one of the most effective ways to repel ants. Mix equal parts water and white vinegar into burrows or their paths. Doing this twice a magic of cloves and cinnamon - While we absolutely hate it. Their strong scent keeps cinnamon powder on ant nests or their paths. the corners of your kitchen. Ants will never sourness and scent of lemon are also disliked

giving us headaches. While chemical sprays available in the can be harmful to our health and our children. If you too no more. In this article, we bring you 5 easy and effective your home forever. White Vinegar Spray: White vinegar is Its strong odor disrupts their sense of smell. How to Use: a spray bottle. Wherever you see ants, spray it on their day will cause the ants to lose their way and run away. The humans love the smell of cloves and cinnamon, ants ants away from the house. How to use: You can sprinkle Alternatively, place 3-4 cloves in your sugar container or in venture near that area. Lemon juice - Just like vinegar, the by ants. The acid in lemon impairs ants' navigation. How to

use: Squeeze a little lemon juice into water while mopping the house. If you wish, you can also place lemon peels near doors, windows, and cracks where ants enter. Talcum Powder or Chalk - Did you know that your ordinary talcum powder or children's writing chalk can also deter ants? Chalk contains calcium carbonate, which keeps ants away. How to use: Sprinkle talcum powder or draw a thick line with ordinary chalk where ants are entering. Ants will never dare to cross this 'Lakshman Rekha'. Peppermint Oil - If you want to repel ants from your home without killing them, peppermint oil is a great and fragrant remedy. Ants cannot tolerate the strong smell of peppermint. It acts as a natural repellent and also fills your home with a refreshing scent. How to use: Mix 10 to 15 drops of peppermint essential oil in a cup of water and put it in a spray bottle. Now spray this mixture around corners, windows, and doors of your home. If you wish, you can also dip cotton balls in this oil and place them on ant paths. The smell will immediately distract the ants. Along with these home remedies, it's crucial to maintain proper household cleanliness. Never leave food or drinks uncovered, don't leave dirty utensils in the sink for long, and clean up any sweets spilled on the floor immediately.

"At least at her level..." Harsh Limbachiyaa expressed his pain when people taunted him for earning less money than Bharti Singh.

Harsh Limbachiyaa revealed on Neha Dhupia's podcast that he faced criticism when Bharti Singh became more successful than him. Comedian Bharti Singh and writer-producer Harsh Limbachiyaa are one of the popular couples on the small screen. The couple married in 2017 after dating for seven years. During a recent conversation, Harsh explained that because Bharti Singh is more successful than him, he gets heard from many places. Harsh appeared on Neha Dhupia's show. Neha Dhupia has launched a podcast show with husband Angad Bedi, called Double Date. In the episode, Harsh was asked if he faced criticism for marrying a "more successful" wife. Harsh replied, "Yes, it has happened a lot. If you're marrying a girl... and society says a man should be more successful than a woman, then no one has any objection. But when a woman is more successful than a man, people find it strange." Harsh had to face criticism - Harsh said, "At first, I felt a little uncomfortable, but then I realized that I didn't need to do anything, just keep improving my work and move forward. As a writer, I was earning well. Still, I tried my hand at production because becoming a producer meant I would at least reach their level. At least there would be something. Then I started creative direction. I wrote and produced the show 'Comedy Nights Bachao'. After that, I gained the confidence that I too can do something." Harsh praised Kapil Sharma - Praising his talent, Harsh said, "Kapil Sharma bhai used to get the entire script written, meaning he would dictate and we would type." Bharti added, "No one can write Kapil bhai's script. He has a gift from God. Comedy can't be learned unless it's within you – timing, etc. Johnny Lever bhai and all these people are blessed with God."

Demi Moore's 'Scary' Transformation at Cannes! The 63-Year-Old Actress Is Hard to Recognize

Demi Moore's transformation at the Cannes Film Festival drew attention, with fans expressing concern about her slimmer figure. A debate has erupted on social media regarding her health and her use of Ozempic. American actress and producer Demi Moore has attracted attention with her glamorous outfits on the red carpet. However, during her recent public appearance at Cannes, her body has once again become the subject of discussion. People say that Demi looked quite different from her usual self. Demi's radiance on the red carpet - while some say that the actress has become significantly thinner. Fans expressed concern about her health when she appeared at Milan Fashion Week and the Actors Awards in early 2026. Recently, she wore a stunning Jacquemus outfit on the Cannes red carpet. While her silver outfit impressed fans, her lean body and toned arms captured the attention of many on social media. Fans were immediately concerned about the actress. Moore's muscular arms were immediately noticed by fans. Demi Moore arrived at the Cannes Film Festival opening ceremony and the screening of her film "La Venus Electrique" (The Electric Kiss) wearing a silver dress. Some described her physique as lean and toned, while others immediately commented that she looked too thin. At 62, Demi has been tagged as the world's most beautiful woman. Seeing the actress in this state, fans became concerned about her health. Numerous comments: This photo has sparked a major debate about body image, age, and beauty standards. Fans are commenting profusely. One user wrote, "Cannes Film Festival? Or an Ozempic advertisement?" Another wrote, "Another example of Ozempic's misuse." A third person said, "She's always been beautiful, but please take care of yourself; you're getting too skinny, which isn't healthy." A fourth person commented, "I love Demi. But I'm also worried about her health. She looks too skinny. Hopefully she's not on Ozempic." Although Demi Moore hasn't issued an official statement on the matter, questions about her health continue. Social media users are constantly speculating that she is taking or abusing GLP-1 medications.

Fearing the clash with Welcome To The Jungle, Ajay Devgn has postponed the release date of 'Dhamaal 4'! It will now hit theaters on this date.

The release date of Ajay Devgn's most anticipated comedy film, Dhamaal 4, has been changed. Learn about the film's new release date. Film clashes often either sink one film or impact its earnings. Therefore, most producers avoid clashes. This is exactly what happened with Dhamaal 4. The comedy-drama Dhamaal was originally scheduled to release in theaters on July 3rd this year. However, just days before that film's release, Akshay Kumar and his team are releasing Welcome To The Jungle. Akshay and Ajay showed wisdom: both films are comedies and are part of hit franchises. Therefore, instead of taking such a big risk, Ajay Devgn's film has postponed the release date of Dhamaal 4. According to a post by film critic Taran Adarsh, the release date of Ajay Devgn's film Dhamaal 4 has been postponed by 15 days. Dhamaal 4 release date changed - According to Taran Adarsh, Welcome to the Jungle and Dhamaal 4 will not clash at the box office. Showing mutual respect and sensible business planning, Ajay Devgn has postponed the release date of Dhamaal 4. According to reports, Ajay and Akshay Kumar spoke and mutually agreed to give both films, Dhamaal 4 and Welcome to the Jungle, the full opportunity they deserve in theaters. When will Dhamaal 4 and Welcome to the Jungle be released? This is why Ajay Devgn's comedy film Dhamaal 4 will now be released in theaters on July 17th instead of July 3rd. However, no official information has been released yet. Speaking of Welcome to the Jungle, the film will hit the big screen on June 26th. The film stars Sunil Shetty, Disha Patani, and Raveena Tandon, among others.